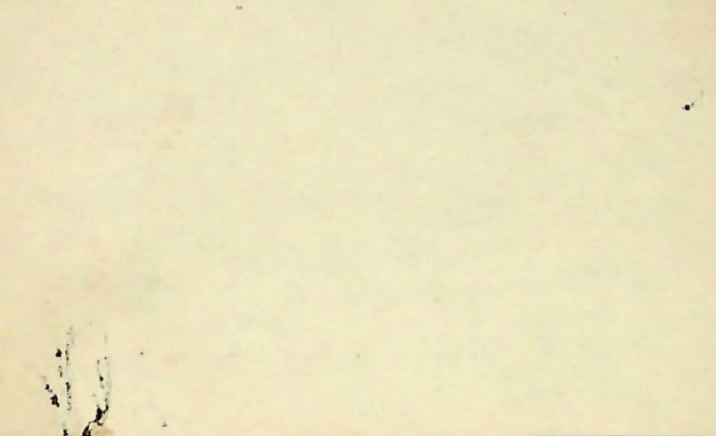


Miscellaneous (3)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Vi. 69.47



८८

गृह्य शास्त्रे सर्वतः पादौ

इति भाग्य भाग्योक्तम् ॥

Vi. 74. 24.

८८. सर्व इति भाग्य गृह्य

॥ इति भाग्य भाग्योक्तम् ॥

Vi. 74. 34.



See

संज्ञासूची: गुणादी गुण
सूची ५: अक्षरानुसूची

V. 76.13.



Can

३५१३४८९ पाणिनी गुरु

इति २७२ निलम पुनः ॥

Vi. 98. 6.

Om

दाहिणाभिमुखः सर्व
गुण वाञ्छानि मे, जिते।

U. 111. 110.

V. 112. 14.



2014-15-2015-16

2016-17-2017-18

2018-19-2019-20



12

at 30-7 1/2
m. in the air 11
V. 1. 13

1820

Jan 1st to Dec 31st 1820

of the year 1820

V. L. L.

(12)

2-18-75
10-10-75
11-7-78



Ulan

ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਪੁਰਸ਼ ਸਤਿਕਾਰ

ਦੇ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸਤਿਕਾਰ ਸਮੇਂ ॥

V. 33. 64.

12m

ਸਤਿਗੁਰੂ ਜੀ ੨੨੨੨ ੨੨-੨੨

ਸਤਿਗੁਰੂ ਜੀ ੨੨੨੨ ੨੨-੨੨

V. 27. 64.

60-

हमारे विचारों में

हमारे विचारों में

V. 3. 8. 29

100

50 50 50 50 50 50

50 50 50 50 50 50

11. 10. 19.

12.

म. वि. सं. १०५. १९९९

इ. प्र. वि. सं. १०५. १९९९

१०. ११. १९९९



1875

1875

1875

Handwritten text, possibly a signature or name, appearing as a series of connected loops and strokes.

Handwritten text, possibly a date or a short phrase, appearing as a series of connected loops and strokes.

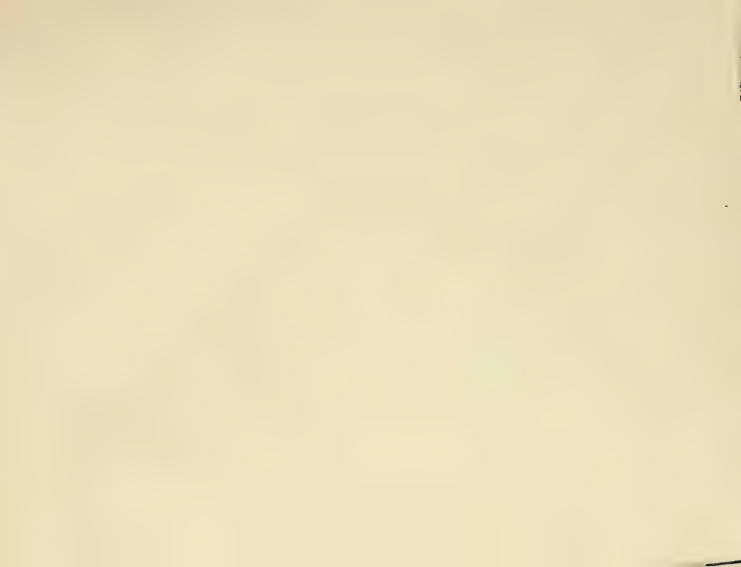


15/12/54 - 11/1/55

11/1/55 - 11/2/55

11/2/55 - 11/3/55

V. G. 2. 11.



100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री गुरुभ्यो नमः
१०६०



Order

123

1. The first part of the paper is devoted to a discussion of the

theoretical aspects of the problem, and the results of the

calculations are given in the following section.

The second part of the paper is devoted to a discussion of the

experimental results, and the conclusions are given in the final section.

Ch

उत्तर १०० १०० १०० १०० १०० ॥
५५ ५५ ५५ ५५ ५५ ॥

॥ ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ॥

वत्स. ५५ ५५ ५५ ५५ ५५ ॥
५५ ५५ ५५ ५५ ५५ ॥

॥ ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ॥

Q. 11

मानक में विधि' मद्र

इसकी' मद्र से वर १/४

III. 54.6.

12

24th Nov 1950

10.5.50. 11

11.5.50.

17. 12. 1907 1894

18. 12. 1907

Lee

2. 27 1/2 1000 1/2

11. 800. 10.

2. 1990-1991

21. 12. 1990

T. 2-7. 2. 2



Clear

2131414 | 5400

2131414 | 5400

I. 49.6.





Ar.

2nd 2nd 2nd 2nd 2nd 2nd

५७ - २०३ - ४-२५: १

Ms. 16. 15.

1. 2.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

Case

1. The defendant is a

person who is a

1873-34, 3

20

18. 11. 21

18. 11. 21

1

[illegible]

1861-1862

17. 10. 2017.



Page

1. 2nd year N. 25. 40
12. 2nd year N. 25. 40

V. 1. 4. 7. 3. 4.



10.

1. 10. 1947

2. 10. 1947

3. 10. 1947

4. 10. 1947

5. 10. 1947

6. 10. 1947

7. 10. 1947

8. 10. 1947

9. 10. 1947

10. 10. 1947

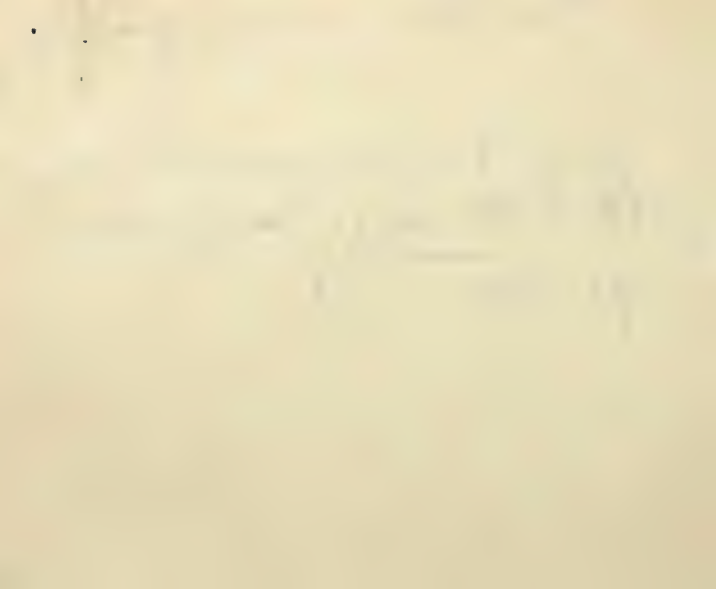


1875

1875 - 1876

1876 - 1877

1877 - 1878





॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥





100. 33. 8.

10

10

10

paper (if used) has been burnt.

per/s and am satisfied that the paper/s is/are prescribed for the Examination of 195 , and , up to the standard of the said examination. Accuracy and secrecy of the said paper/s.

Signature *S. T. ...*

Paper Setter, Same... Paper... 11... (C)

.....M.A.....Examination, 1950

o. B.

E JOINT PAPER-SETTERS

our ancient economist and

quiet early saw the importance of
on right lines . There may have
es of crops but the country did
chronic food shortage. We have
show that even in times of
ore food than they have today.

विष्णुचिकाभिधाना च नाम्नायन्यायबोधका
मिन्द्या २ वी व - देह न शुष्का काश्यं -
मुपागता ॥

॥ ६४३ ॥

शिवसन्तानसंपूर्ण वह द्वे तनदा-
कुलम् ॥

पारं कुजन झझार पूर्णाक्षिण-
वनोपमम् ॥

समादाय करेणं के न भाषिना ।

तोये न शंकराभिमुखी गता ॥

रागाढ्यं पादं कृत्वा कुलेक्षणम् ।

हिहरं दुष्टमुदागता ।

यजतेनैव श्रुत्वा भी ममुपागतम् ।

प्रगृधान्या शलाकां सुष्ठु धावति ॥

न वासः पाणिनादाय सुन्दरी ।

मन्नग्ना हर दर्शनलालसा ॥

न्तमोशानं धत्वा गव नभरालसा ।

नमो देहो नमो रघवानं नमो कश्चित्सगाभयः।
नमो कश्चित्सगाभयः नमो कश्चित्सगाभयः ॥

3. 71. 9.

1. የጥንታዊ የግብርና ስርዓት

ይህ የጥንታዊ የግብርና ስርዓት የግብርና ስርዓት ነው።

ይህ የጥንታዊ የግብርና ስርዓት የግብርና ስርዓት ነው።

ይህ የጥንታዊ የግብርና ስርዓት የግብርና ስርዓት ነው።

ይህ የጥንታዊ የግብርና ስርዓት የግብርና ስርዓት ነው።

ይህ የጥንታዊ የግብርና ስርዓት የግብርና ስርዓት ነው።

ይህ የጥንታዊ የግብርና ስርዓት የግብርና ስርዓት ነው።

जगद्गुणसहस्राणि यत्रासंख्यान्यणावर्णाः ।

अपरस्परलग्नानि काननं ब्रह्म नाम तत् ॥ IV 18. 6.

माया नदी जलधियो घघनाग्नि नदा है-

वृद्धाः सुरासुरशैवैरचलः शिलोच्चैः ।

प्रान्तैः शरासि शितशक्तिगदास्त्रशस्त्रै-

वर्तिता वक्रो र्णविनपर्णविदन्तरन्तः ॥ २४. २७.

Digitized by Google

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

Page: 1234567890 : 1

2014年12月15日

पुनर्वीर्यवतामेति जगदस्तशुभस्थिति ।

अम्यापोपूतपंकजं पंशुः कपिव काननम् ॥ IV 47 31.

11. *Chrysomelidae* (1000)

लतापुष्पफलोत्पासं प्रान्तप वमहो रहाम् ।

विहसन्तमिवाच्छामिः पुष्पकुडालदोषितभिः ॥

५१३९

न वस्त्रवस्त्रा विन्याः क्तयेव सन्तुमाः ।

समाः समरमाः शीप्याः सतनं माधुसाधवः ॥ १५ ६०६

तयो रुचिच्छतीः सर्वा समीत्या तुमकम्पत ।

मन्दवातपरामृष्टा नलिनो वा निली चना ॥ ३२२ ॥

|| ۱۱ ||

۱

कचत्कटकभा रक्ती कृतान्योन्यतताम्बरा ।

चातव्या घृतपुष्पैव पन्दारवनमालिका ॥ २७ ॥

11
الحمد لله الذي جعلنا من
العلماء من بعدهم

الحمد لله الذي جعلنا من
العلماء من بعدهم

वात्परत्ना वनो कैकदी पिका सरसा तिमका ।

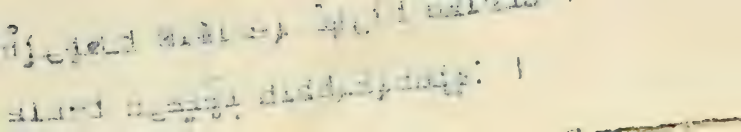
यमाधुक्ति लतो देति स वन्धः सुजनदुमः ॥

46



तातस्य मन्त्रिनूनं पादपोठोपमर्दकैः ।

पुरैर्विषय वाशान्तो मृगैरिव महावनम् ॥ ३१ ॥



पुरगन्धर्वीमुन्मत्तः दानवान्नः पुरोचिताः ।

वयं मेरुं स्थितिं याता मन्त्रं ह्य पादये ॥

31. 18.



अस्मादिदममुदेत्सुचैः संघा ररचना वना ।

विचित्रतरा गुह्या शैत्रा दिव वना वने ॥

५

34. 37

इयमभ्युदयं याति नानादृश्यसुम जरी ।

वाचारव वरीकादया रतस्मात्कारणादुवात् ॥

34. 36.

अस्नादियमुदेत्युच्चैः संसारवनावना ।

विचित्रतरंगुल्याहया शैनादिव वनावनी ॥

३५.३७

तस्मादुक्षातनं गत्वा यथा वत्स्थायया प्यहम् ।

स्वे क्रमे दानवाघोशमृतः पुनरिव दुषम् ॥

३४. १७.

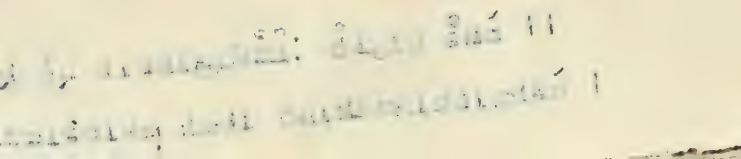
तरुमादृशातलं गत्वा यथा वत्स्थापयाप्यहम् ।

रुवे कृमे दानवाघोशपूतः पुनरिव दृषम् ॥

11

38

17



बभ्रुव संप्रबुद्धात्मा दानवेशः शनैः शनैः ।

मेघावनर उत्फुल्लज्जित इव कानने ॥

IV. 37. 11.

किञ्चिदहंकुरिते चित्ते नेत्रे विकसनोन्मुखे ।

शनैर्विभूवस्तुस्तस्य प्रातर्नोति यथोत्पले ।

39. 16.

प्राणापानपरामृष्टानाहोविवरसंविदः ।

वातातस्यैव पदस्य स्पन्दो स्य सजायत ॥

पृ. ३९. १७.

अशीक इव मज्जर्यः पुष्करावर्तविद्युतः ।

न स्फुरन्ति जगत्कोशे तनुं त्यजसि किं मुधा ॥

II 39.30

कामक्रोधात्मका यस्य स्फूर्जन्त्यजगरास्तनी ।

अन्तः शुष्कदुमस्येव मरणां तस्य राजते ॥

प्र. ३९. ४४.

वा ष्पश्रो न सिपुरि कर्णमि ^{उज}रिः प्ला वयिष्यति ।

वनराजिमिवो न्यता सरित्ता रतहिगणति ॥

II. 41. 38.

कृणार्थिवा ३ कृत्यमानानि पवित्राणि मृदूनि च।

41. 43. 2.

|| ۱۱ ||
مجلس اول در بیان احوال و حال

۱۱
مجلس دوم در بیان احوال و حال

वस्तुयस्मिन्वसुधापोठे कोसलो नाम घण्डलः ।

कल्पवृक्षावनं मेराविव रत्नगणाकारः ॥

I. मम. 3.

बभूव परितुष्टात्मा दर्शनेन जगत्पतेः ।

दर्शनस्पृशनेरिन्द्रो रुत्कुल्लमिव कैरवम् ॥

श्र. ५५. १६.

अधूव परिनुष्ठात्मा दशैनेन जगत्पतेः ।

दशैनस्पशैनेरिन्नी रात्कु लामिव कैरवम् ॥ V. 44. 16.



अग्निशुण्डप्रविष्टानां धन्वित्राणां भूत्वरीदनेः ।

रुदत्तश्रुतद्वन्द्वनरपरपथमिव पारुषैः ॥ ५. ५६. ३५.



ततः प्रावर्तते ज्ञान्ता तयोस्तावसयोः कथा ।

स्वव्यापारोचिता पुष्पविरिवर्तुत्वमाशयोः ॥ V. 47.20.



हिंदेश्वरशक्तिनारायणं भूषणपट्टलमागतः ।

हरिः कण्ठमाधुर्यैः नार तपिष्व काननम् ॥ ५. ५७. ५८.



निदेशश्चिन्ताचारं भूषणपटलपागतः ।

हरमः प्रणतशार्ङ्गः आर तथैव काननम् ॥ ५. ५२. ५०.



यस्य बृहस्य नत्वर्चं कलत्रं पूत्युरालिङ्गवत् ।

अद्वैः पुष्पकलोधनं दावी वसिष्ठावतः ॥

५

५७. ५७

आन्तापिरवम्यन्ते नानव्यक्तनराजयः ।

इमास्ता वनवल्गोपिदोप्यमाता इवद्वयः ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

वित्ते वृत्तान्तलक्षाणि संस्थितान्यात्तवापने ।

पादपे फलपुष्पाणि मूलान्तावनाविव ॥ ५ ॥



मैत्रेयः ॥ १ ॥

चित्रे वृक्षान्तलदाणि संस्थितान्यात्वासने ।

पादपे फलपुष्पाणि मूलान्तावनाविव ॥

५ ॥ १ ॥ ५ ॥

1871

1875

यदेव ते मनोमात्रे लक्ष्म्या प्रतिपासते ।

तरु रु च्वजनेनेव तेनैवाकुर्यते दाणात् ॥

५. ५१. ५१

11. 12. 1900. 11. 12. 1900.

12. 1. 1901. 12. 1. 1901.

गाघिर्वैवेकवशजं वेराग्यपदमागतः ।

शरत्समयपर्यन्ते वेरस्यमिव पादपः ॥

... ..

[Faint handwritten text]

मतेदापां चक्रतटोपवेशं

विश्रांतिमयी ख्येऽवसमर्थमुगम् ।

आलोकनोत्कं युज्यकृमा व्र

खण्डस्य चण्डं मुखदः खण्डम् । ।



इति पर्याकुलस्यान्तः स खलु ध्यानवृत्तिषु ।

दरीष्वन्वहमुगासु वातमग्न इव दृमः ॥

51.45



चित्रे दासिणि संक्षिप्ते देहो क्षामूलितो भवेत् ।

वर्धमाने तुरुरिव शतशाखः प्रवर्तते ॥

January 1906 : 18

1. The first part of the document is a list of names and titles, including "The Hon. Mr. Justice" and "The Hon. Mr. Justice".

तत्पदं साधवः प्राप्य दृश्यदृष्टिभिर्मां पुनः ।

नायान्ति खदिरोद्यानं नव्यचैत्ररथा इव ॥

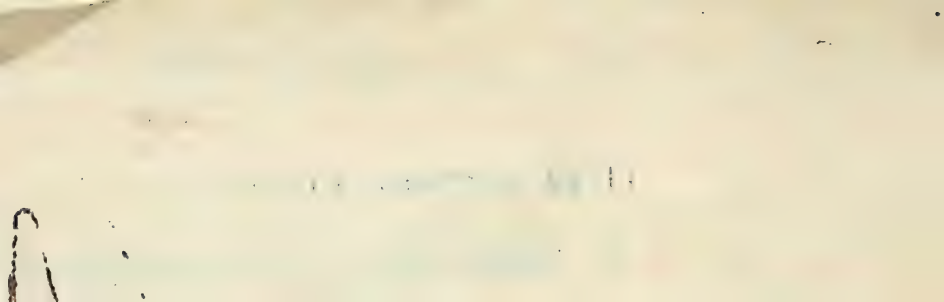
५४. ११.

|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गृहमेव गृहस्थायां सुसमाहितचेतसाम् ।

शान्ता हंक्रुतिदोषाणां विज्ञान वनधूमयः ॥ V 56. 22



यथा विपणिक्कालोक्का विहरन्तो प्यसत्समाः ।

असंचन्धा तथा जस्य गामोपि विपिनोपमः ॥ V . 56 . 30 .



विवेका वस्थया चेतस्त्वैवायानि निर्वृतिम् ।

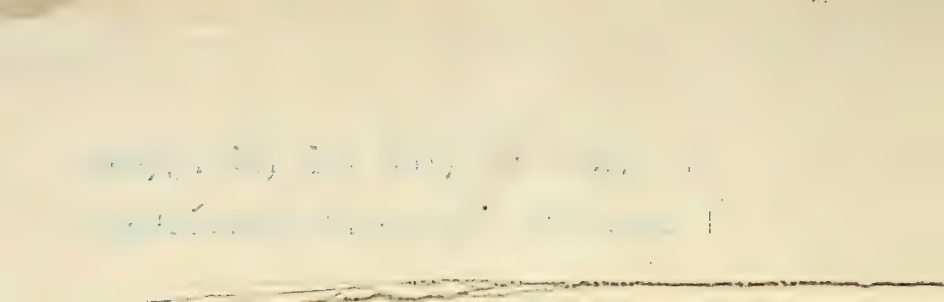
पतच्छुक्ले दृढतृणापचया लम्बनादिव ॥

الحمد لله الذي جعلنا من
أهل البيت

أهل البيت

सर्वस्याह्नादयो शान्ता मैत्री परम्पावनी ।

अभ्युदेति हृदो हृद्या सुतरीरिव स जरी ॥



भूतपञ्चकसंपिण्डाद्विचित्रा यवताः पृथक् ।

एकस्मादेव विटपाद्विचित्रा इव पुत्रिकाः ॥

॥ १३३ ॥



शासनापुष्पभाराय नमो दुष्कृतशालिने ।

येनेसार्धं चिरं बहू यो मुक्ताः प्राकृतयो नवः ॥

~~IV~~ 86.43.



प्रोत्फुल्लसिंशुकैषा

ददिता नन्देस्तटे त्र वनराजी ।

ज्वलितेव नन्दरङ्गैः

पौरः पुन्येन पिच्यते प्लुधिना ॥

कालः क्रिया च भुवनं पवनं चिराय

नामाधितिष्ठत इवोपवनं विधाति ।

काशहृत्प्रते प्रतिदिनं ननु नष्टमेव

नाथापि नश्यति च ज्ञेयमहो नु नाथा ॥ ४१ (ii) ॥ ६०२३

वा न विदुः वधसं वित्वा दपूर्वे वसुधा मलम् ॥

अपूर्वा नग रगा मरुता विक्व न मण्डलीः ।

॥ (ii) ॥ ५५. २५.

वा । विद्वांश्च वि त्वादपूर्वं वरुधा तनून् ॥

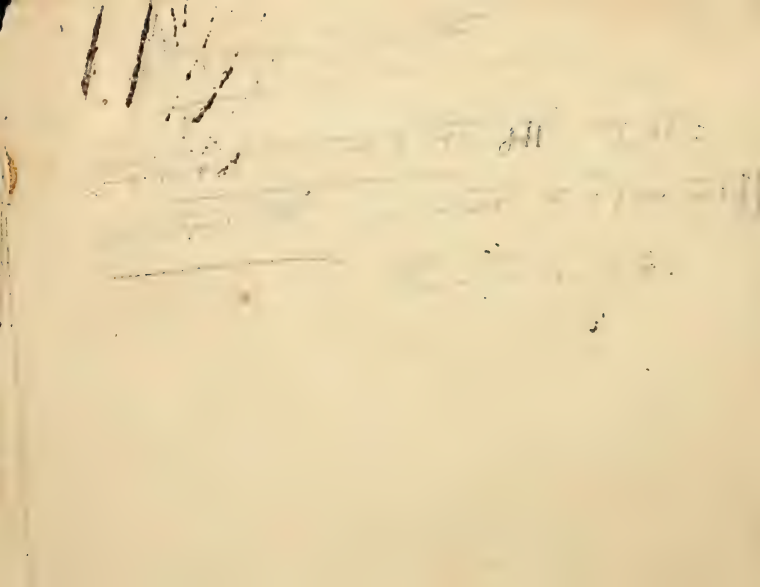
अपूर्वा नगरा नरैला विंध्यनगण्डनीः ॥ *Vi(11)145. 35*

12.500

सुरासुरनरा वा रागभंगभंगनो हंरम् ।

पृथक्कोष्ठस्थवीजो नमंपूणं निमिषं दाडिमम् ॥ V (ii) 197. 14.







[illegible]

IT, 5-1.1.



[illegible]

II. 51. 1.

20 - 1000

(1000 - 2000) 1000

1000 - 2000

1000 - 2000

1000 - 2000

Demetrius

and wife of the King

of the East

1730-31

2-2-22

पुस्तकालय विधि
संस्थापन

V. 11.21.

2) 1000000

1. 1000000 1000000 1000000
1000000 1000000 1000000

1000000 1000000

2. ...

3. ...

4. ...

15. 85.11.



Don't

2757

$\frac{2153}{457} = 4 \frac{57}{457}$

एक बेल्ट के ऊपर

12 Oct: 11

Ver. 30.47



Donation

२. ११. ३०
२००० रु. ०० पैसे

२००० रु. ०० पैसे

॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥

D. 10000

10000 10000 10000

10000 10000 10000

December 29

मरुतं मरुतं मरुतं मरुतं मरुतं

मरुतं मरुतं मरुतं मरुतं मरुतं

I. 52.58.

2. 10. 1900

10. 10. 1900
10. 10. 1900
10. 10. 1900



Donner

gattig

II. 77. 12



20-11-25

पुनः माहिनी

I-73.17





Don't

214 07500000 10000000
19 00000000 00000000 ||

T. 3. 17.



2. 1. 1. 1. 1. 1.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10.

V. 1. 2. 3. 4.



18. 11. 1933.

1. 11. 1933. 11. 11. 1933.

11. 11. 1933.

11. 11. 1933.

11. 11. 1933.

11. 11. 1933.



स्तत्राथिनी शुशामहं पारंपूर्यार्थम् ।
अङ्गीकृताथिमददत्क इवास्ति त्वां के
दोषेण संचयकरेण न युज्यते ॥१॥

III. 78. 44.

any alms but cannot return home empty
beyonding his wife who had given defini-
trary. He on his way back home sees
it up and brings it home. His

अनातचक्र (आवर्त)

(१६४)

येनाथ गाधिराघिमवप्रमात् ।

कुलोपावो वेलावर्त इवाप्नुधेः ॥

V. 47. 1.

मुहूर्तद्वितयेनाथ गाघिराघिमवप्रमात् ।

प्रशशा माकुलोपावो वेलावर्त इवा म्बुधेः ॥

V. 41. 1.

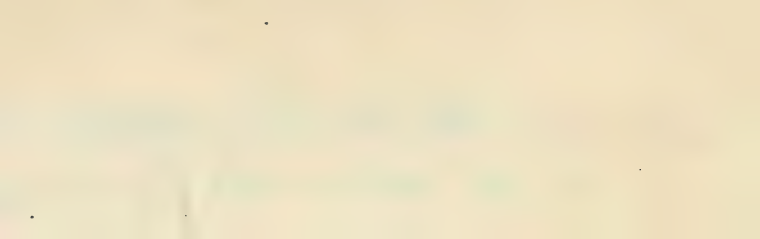
इति दोषा यितं चेन्नो न विशशाम मूपतेः ।

एकत्रा मृषहा वर्तते चिरतृष्णामिव प्रमत् ॥

हृत्ति दोलायितं वेतो न विश्राम भूपतेः ।

एकत्रा मृषहा वर्ते चिरतृष्णापिव प्रमत् ॥

Y 58. 20.



पत्र १. पत्र १. पत्र १. पत्र १.
पत्र २. पत्र २. पत्र २. पत्र २.
पत्र ३. पत्र ३. पत्र ३. पत्र ३.

पत्र ३. ३. ३. ३.

1. $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$

2. $\frac{1}{x^3} = x^{-3}$

3. $\frac{1}{x^4} = x^{-4}$

$$\frac{1}{x^2} = x^{-2}$$

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

DEPARTMENT OF CHEMISTRY

THE JOSEPH P. KATZ

LABORATORY

ज्वाला जालनवोद्दतीति मण्डले र खिलैर्नमः ।

अलातचक्रवच्चारु केवलं भ्रान्तवानहम् ।।

VI (11) 141. 2

... ..

... ..

... ..

अरुण

(२०)

नदीना पदपुच्छाति किं विना दंष्ट्रुलिङ्गम्।

प्राज्ञं प्राप्तिना प्रसन्नं विना तं किं विना नराणां॥

represented as sleeping. Her image
'ta'. (pleasantly sleeping Lakshmi).

the chain of festivals is known as

प्रवाचि चतुंकारासांकारा रत्नगारिचक्राचक्रैः ।

सिंकारैर्विकिरत्नवर्णैः मुख्यं नगवाचिव ॥

represented as sleeping. Her image
'ra'. (pleasently sleeping Lakshmi).

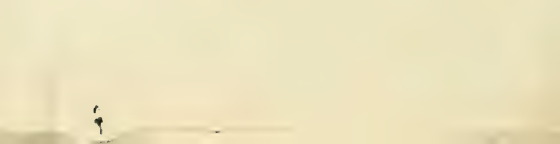
the chain of festivals in January

प्रवीं बहुंता रसांतां रहता रसिकराञ्चरः ।

सिंहं रसवीं करत्वशीं मखींःगनीवा निव ।।



1197



संज्ञासप्तमः

संज्ञासप्तमः ॥ वाचाभाति वाहिर्गुहावादि
देहे विरञ्जति आयाति अर्धसंस्थेव
जीवने ॥

III. 58. 16.

with the second finger of the

right hand in hand is

it is observed for three days

गर्भाकार्या दिव्या मनुब्रह्मादीनां च

११११२॥

II (1) 19-16.

substance. Moreover, the capacity
led to the production of an
electric action, viz., solar action.

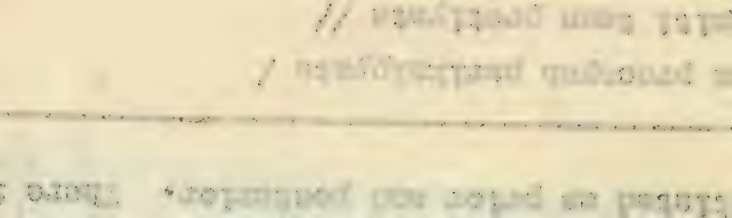
सिद्धता मे ^३काल

(86)

of the ...

(...) //

... 30.



तः प्रभृति भावानां सकारणकतां विना ।

सकलमदिव तैलानां न संभवति संभवः ॥ VI (ii) 144.



वक्त्र (Ventr)

शुद्धं मे निमित्तं चेतस्त्वष्टा

यन्त्रममादेव ।

सर्वविचारोपदेशोऽयं प्राप्तोऽस्मिन् साधुभिः ।

VI (ii). 43. 26.



1/10/1900

My dear Mr. [illegible]

I have just received your letter of the 9th inst. and am glad to hear that you are well. I am also well and hope this finds you the same.

9-2000

मार्ग के अन्तर्गत
मार्ग के अन्तर्गत
मार्ग के अन्तर्गत
मार्ग के अन्तर्गत

Mexico

1870. 2. 10.

Dec.

22/11/1915

187. 94.13.



9

3, 5, 7, 11, 13, 17, 19, 23, 29, 31, 37, 41, 43, 47, 53, 59, 61, 67, 71, 73, 79, 83, 89, 97, 101, 103, 107, 109, 113, 127, 131, 137, 139, 143, 149, 151, 157, 163, 167, 173, 179, 181, 187, 191, 193, 197, 199, 211, 223, 227, 229, 233, 239, 241, 247, 251, 257, 263, 269, 271, 277, 281, 283, 287, 293, 299, 307, 311, 313, 317, 331, 337, 347, 349, 353, 359, 367, 373, 379, 383, 389, 397, 401, 409, 419, 421, 431, 433, 437, 439, 443, 449, 457, 461, 463, 467, 473, 479, 481, 487, 491, 493, 497, 503, 509, 511, 517, 521, 523, 527, 531, 533, 537, 541, 547, 551, 557, 563, 569, 571, 577, 581, 583, 587, 593, 599, 607, 611, 613, 617, 631, 637, 643, 647, 649, 653, 659, 667, 673, 679, 683, 687, 691, 693, 697, 701, 709, 711, 717, 721, 723, 727, 731, 733, 737, 741, 747, 751, 757, 761, 763, 767, 771, 773, 777, 781, 783, 787, 791, 793, 797, 801, 809, 811, 817, 821, 823, 827, 831, 833, 837, 839, 843, 849, 853, 857, 859, 863, 867, 871, 873, 877, 881, 883, 887, 891, 893, 897, 901, 907, 911, 913, 917, 931, 937, 941, 943, 947, 951, 953, 957, 961, 963, 967, 971, 973, 977, 981, 983, 987, 991, 993, 997, 1001, 1003, 1007, 1009, 1011, 1013, 1017, 1021, 1023, 1027, 1031, 1033, 1037, 1041, 1043, 1047, 1051, 1053, 1057, 1059, 1063, 1067, 1071, 1073, 1077, 1081, 1083, 1087, 1091, 1093, 1097, 1101, 1103, 1107, 1109, 1111, 1113, 1117, 1121, 1123, 1127, 1131, 1133, 1137, 1141, 1143, 1147, 1151, 1153, 1157, 1159, 1163, 1167, 1171, 1173, 1177, 1181, 1183, 1187, 1191, 1193, 1197, 1201, 1203, 1207, 1211, 1213, 1217, 1221, 1223, 1227, 1231, 1233, 1237, 1241, 1243, 1247, 1251, 1253, 1257, 1259, 1263, 1267, 1271, 1273, 1277, 1281, 1283, 1287, 1291, 1293, 1297, 1301, 1303, 1307, 1311, 1313, 1317, 1321, 1323, 1327, 1331, 1333, 1337, 1341, 1343, 1347, 1351, 1353, 1357, 1359, 1363, 1367, 1371, 1373, 1377, 1381, 1383, 1387, 1391, 1393, 1397, 1401, 1403, 1407, 1411, 1413, 1417, 1421, 1423, 1427, 1431, 1433, 1437, 1441, 1443, 1447, 1451, 1453, 1457, 1459, 1463, 1467, 1471, 1473, 1477, 1481, 1483, 1487, 1491, 1493, 1497, 1501, 1503, 1507, 1511, 1513, 1517, 1521, 1523, 1527, 1531, 1533, 1537, 1541, 1543, 1547, 1551, 1553, 1557, 1559, 1563, 1567, 1571, 1573, 1577, 1581, 1583, 1587, 1591, 1593, 1597, 1601, 1603, 1607, 1611, 1613, 1617, 1621, 1623, 1627, 1631, 1633, 1637, 1641, 1643, 1647, 1651, 1653, 1657, 1659, 1663, 1667, 1671, 1673, 1677, 1681, 1683, 1687, 1691, 1693, 1697, 1701, 1703, 1707, 1711, 1713, 1717, 1721, 1723, 1727, 1731, 1733, 1737, 1741, 1743, 1747, 1751, 1753, 1757, 1759, 1763, 1767, 1771, 1773, 1777, 1781, 1783, 1787, 1791, 1793, 1797, 1801, 1803, 1807, 1811, 1813, 1817, 1821, 1823, 1827, 1831, 1833, 1837, 1841, 1843, 1847, 1851, 1853, 1857, 1859, 1863, 1867, 1871, 1873, 1877, 1881, 1883, 1887, 1891, 1893, 1897, 1901, 1903, 1907, 1911, 1913, 1917, 1921, 1923, 1927, 1931, 1933, 1937, 1941, 1943, 1947, 1951, 1953, 1957, 1959, 1963, 1967, 1971, 1973, 1977, 1981, 1983, 1987, 1991, 1993, 1997, 2001, 2003, 2007, 2011, 2013, 2017, 2021, 2023, 2027, 2031, 2033, 2037, 2041, 2043, 2047, 2051, 2053, 2057, 2059, 2063, 2067, 2071, 2073, 2077, 2081, 2083, 2087, 2091, 2093, 2097, 2101, 2103, 2107, 2111, 2113, 2117, 2121, 2123, 2127, 2131, 2133, 2137, 2141, 2143, 2147, 2151, 2153, 2157, 2159, 2163, 2167, 2171, 2173, 2177, 2181, 2183, 2187, 2191, 2193, 2197, 2201, 2203, 2207, 2211, 2213, 2217, 2221, 2223, 2227, 2231, 2233, 2237, 2241, 2243, 2247, 2251, 2253, 2257, 2259, 2263, 2267, 2271, 2273, 2277, 2281, 2283, 2287, 2291, 2293, 2297, 2301, 2303, 2307, 2311, 2313, 2317, 2321, 2323, 2327, 2331, 2333, 2337, 2341, 2343, 2347, 2351, 2353, 2357, 2359, 2363, 2367, 2371, 2373, 2377, 2381, 2383, 2387, 2391, 2393, 2397, 2401, 2403, 2407, 2411, 2413, 2417, 2421, 2423, 2427, 2431, 2433, 2437, 2441, 2443, 2447, 2451, 2453, 2457, 2459, 2463, 2467, 2471, 2473, 2477, 2481, 2483, 2487, 2491, 2493, 2497, 2501, 2503, 2507, 2511, 2513, 2517, 2521, 2523, 2527, 2531, 2533, 2537, 2541, 2543, 2547, 2551, 2553, 2557, 2559, 2563, 2567, 2571, 2573, 2577, 2581, 2583, 2587, 2591, 2593, 2597, 2601, 2603, 2607, 2611, 2613, 2617, 2621, 2623, 2627, 2631, 2633, 2637, 2641, 2643, 2647, 2651, 2653, 2657, 2659, 2663, 2667, 2671, 2673, 2677, 2681, 2683, 2687, 2691, 2693, 2697, 2701, 2703, 2707, 2711, 2713, 2717, 2721, 2723, 2727, 2731, 2733, 2737, 2741, 2743, 2747, 2751, 2753, 2757, 2759, 2763, 2767, 2771, 2773, 2777, 2781, 2783, 2787, 2791, 2793, 2797, 2801, 2803, 2807, 2811, 2813, 2817, 2821, 2823, 2827, 2831, 2833, 2837, 2841, 2843, 2847, 2851, 2853, 2857, 2859, 2863, 2867, 2871, 2873, 2877, 2881, 2883, 2887, 2891, 2893, 2897, 2901, 2903, 2907, 2911, 2913, 2917, 2921, 2923, 2927, 2931, 2933, 2937, 2941, 2943, 2947, 2951, 2953, 2957, 2959, 2963, 2967, 2971, 2973, 2977, 2981, 2983, 2987, 2991, 2993, 2997, 3001, 3003, 3007, 3011, 3013, 3017, 3021, 3023, 3027, 3031, 3033, 3037, 3041, 3043, 3047, 3051, 3053, 3057, 3059, 3063, 3067, 3071, 3073, 3077, 3081, 3083, 3087, 3091, 3093, 3097, 3101, 3103, 3107, 3111, 3113, 3117, 3121, 3123, 3127, 3131, 3133, 3137, 3141, 3143, 3147, 3151, 3153, 3157, 3159, 3163, 3167, 3171, 3173, 3177, 3181, 3183, 3187, 3191, 3193, 3197, 3201, 3203, 3207, 3211, 3213, 3217, 3221, 3223, 3227, 3231, 3233, 3237, 3241, 3243, 3247, 3251, 3253, 3257, 3259, 3263, 3267, 3271, 3273, 3277, 3281, 3283, 3287, 3291, 3293, 3297, 3301, 3303, 3307, 3311, 3313, 3317, 3321, 3323, 3327, 3331, 3333, 3337, 3341, 3343, 3347, 3351, 3353, 3357, 3359, 3363, 3367, 3371, 3373, 3377, 3381, 3383, 3387, 3391, 3393, 3397, 3401, 3403, 3407, 3411, 3413, 3417, 3421, 3423, 3427, 3431, 3433, 3437, 3441, 3443, 3447, 3451, 3453, 3457, 3459, 3463, 3467, 3471, 3473, 3477, 3481, 3483, 3487, 3491, 3493, 3497, 3501, 3503, 3507, 3511, 3513, 3517, 3521, 3523, 3527, 3531, 3533, 3537, 3541, 3543, 3547, 3551, 3553, 3557, 3559, 3563, 3567, 3571, 3573, 3577, 3581, 3583, 3587, 3591, 3593, 3597, 3601, 3603, 3607, 3611, 3613, 3617, 3621, 3623, 3627, 3631, 3633, 3637, 3641, 3643, 3647, 3651, 3653, 3657, 3659, 3663, 3667, 3671, 3673, 3677, 3681, 3683, 3687, 3691, 3693, 3697, 3701, 3703, 3707, 3711, 3713, 3717, 3721, 3723, 3727, 3731, 3733, 3737, 3741, 3743, 3747, 3751, 3753, 3757, 3759, 3763, 3767, 3771, 3773, 3777, 3781, 3783, 3787, 3791, 3793, 3797, 3801, 3803, 3807, 3811, 3813, 3817, 3821, 3823, 3827, 3831, 3833, 3837, 3841, 3843, 3847, 3851, 3853, 3857, 3859, 3863, 3867, 3871, 3873, 3877, 3881, 3883, 3887, 3891, 3893, 3897, 3901, 3903, 3907, 3911, 3913, 3917, 3921, 3923, 3927, 3931, 3933, 3937, 3941, 3943, 3947, 3951, 3953, 3957, 3959, 3963, 3967, 3971, 3973, 3977, 3981, 3983, 3987, 3991, 3993, 3997, 4001, 4003, 4007, 4011, 4013, 4017, 4021, 4023, 4027, 4031, 4033, 4037, 4041, 4043, 4047, 4051, 4053, 4057, 4059, 4063, 4067, 4071, 4073, 4077, 4081, 4083, 4087, 4091, 4093, 4097, 4101, 4103, 4107, 4111, 4113, 4117, 4121, 4123, 4127, 4131, 4133, 4137, 4141, 4143, 4147, 4151, 4153, 4157, 4159, 4163, 4167, 4171, 4173, 4177, 4181, 4183, 4187, 4191, 4193, 4197, 4201, 4203, 4207, 4211, 4213, 4217, 4221, 4223, 4227, 4231, 4233, 4237, 4241, 4243, 4247, 4251, 4253, 4257, 4259, 4263, 4267, 4271, 4273, 4277, 4281, 4283, 4287, 4291, 4293, 4297, 4301, 4303, 4307, 4311, 4313, 4317, 4321, 4323, 4327, 4331, 4333, 4337, 4341, 4343, 4347, 4351, 4353, 4357, 4359, 4363, 4367, 4371, 4373, 4377, 4381, 4383, 4387, 4391, 4393, 4397, 4401, 4403, 4407, 4411, 4413, 4417, 4421, 4423, 4427, 4431, 4433, 4437, 4441, 4443, 4447, 4451, 4453, 4457, 4459, 4463, 4467, 4471, 4473, 4477, 4481, 4483, 4487, 4491, 4493, 4497, 4501, 4503, 4507, 4511, 4513, 4517, 4521, 4523, 4527, 4531, 4533, 4537, 4541, 4543, 4547, 4551, 4553, 4557, 4559, 4563, 4567, 4571, 4573, 4577, 4581, 4583, 4587, 4591, 4593, 4597, 4601, 4603, 4607, 4611, 4613, 4617, 4621, 4623, 4627, 4631, 4633, 4637, 4641, 4643, 4647, 4651, 4653, 4657, 4659, 4663, 4667, 4671, 4673, 4677, 4681, 4683, 4687, 4691, 4693, 4697, 4701, 4703, 4707, 4711, 4713, 4717, 4721, 4723, 4727, 4731, 4733, 4737, 4741, 4743, 4747, 4751, 4753, 4757, 4759, 4763, 4767, 4771, 4773, 4777, 4781, 4783, 4787, 4791, 4793, 4797, 4801, 4803, 4807, 4811, 4813, 4817, 4821, 4823, 4827, 4831, 4833, 4837, 4841, 4843, 4847, 4851, 4853, 4857, 4859, 4863, 4867, 4871, 4873, 4877, 4881, 4883, 4887, 4891, 4893, 4897, 4901, 4903, 4907, 4911, 4913, 4917, 4921, 4923, 4927, 4931, 4933, 4937, 4941, 4943, 4947, 4951, 4953, 4957, 4959, 4963, 4967, 4971, 4973, 4977, 4981, 4983, 4987, 4991, 4993, 4997, 5001, 5003, 5007, 5011, 5013, 5017, 5021, 5023, 5027, 5031, 5033, 5037, 5041, 5043, 5047, 5051, 5053, 5057, 5059, 5063, 5067, 5071, 5073, 5077, 5081, 5083, 5087, 5091, 5093, 5097, 5101, 5103, 5107, 5111, 5113, 5117, 5121, 5123, 5127, 5131, 5133, 5137, 5141, 5143, 5147, 5151, 5153, 5157, 5159, 5163, 5167, 5171, 5173, 5177, 5181, 5183, 5187, 5191, 5193, 5197, 5201, 5203, 5207, 5211, 5213, 5217, 5221, 5223, 5227, 5231, 5233, 5237, 5241, 5243, 5247, 5251, 5253, 5257, 5259, 5263, 5267, 5271, 5273, 5277, 5281, 5283, 5287, 5291, 5293, 5297, 5301, 5303, 5307, 5311, 5313, 5317, 5321, 5323, 5327, 5331, 5333, 5337, 5341, 5343, 5347, 5351, 5353, 5357, 5359, 5363, 5367, 5371, 5373, 5377, 5381, 5383, 5387, 5391, 5393, 5397, 5401, 5403, 5407, 5411, 5413, 5417, 5421, 5423, 5427, 5431, 5433, 5437, 5441, 5443, 5447, 5451, 5453, 5457, 5459, 5463, 5467, 5471, 5473, 5477, 5481, 5483, 5487, 5491, 5493, 5497, 5501, 5503, 5507, 5511, 5513, 5517, 5521, 5523, 5527, 5531, 5533, 5537, 5541, 5543, 5547, 5551, 5553, 5557, 5559, 5563, 5567, 5571, 5573, 5577, 5581, 5583, 5587, 5591, 5593, 5597, 5601, 5603, 5607, 5611, 5613, 5617, 5621, 5623, 5627, 5631, 5633, 5637, 5641, 5643, 5647, 5651, 5653, 5657, 5659, 5663, 5667, 5671, 5673, 5677, 5681, 5683, 5687, 5691, 5693, 5697, 5701, 5703, 5707, 5711, 5713, 5717, 5721, 5723, 5727, 5731, 5733, 5737, 5741, 5743, 5747, 5751, 5753, 5757, 5759, 5763, 5767, 5771, 5773, 5777, 5781, 5783, 5787, 5791, 5793, 5797, 5801, 5803, 5807, 5811, 5813, 5817, 5821, 5823, 5827, 5831, 5833, 5837, 5841, 5843, 5847, 5851, 5853, 5857, 5859, 5863, 5867, 5871, 5873, 5877, 5881, 5883, 5887, 5891, 5893, 5897, 5901, 5903, 5907, 5911, 5913, 5917, 5921, 5923, 5927, 5931, 5933, 5937, 5941, 5943, 5947, 5951, 5953, 5957, 5959, 5963, 5967, 5971, 5973, 5977, 5981, 5983, 5987, 5991, 5993, 5997, 6001, 6003, 6007, 6011, 6013, 6017, 6021, 6023, 6027, 6031, 6033, 6037, 6041, 6043, 6047, 6051, 6053, 6057, 6059, 6063, 6067, 6071, 6073, 6077, 6081, 6083, 6087, 6091, 6093, 6097, 6101, 6103, 6107, 6111, 6113, 6117, 6121, 6123, 6127, 6131, 6133, 6137, 6141, 6143, 6147, 6151, 6153, 6157, 6159, 6163, 6167, 6171, 6173, 6177, 6181, 6183, 6187, 6191, 6193, 6197, 6201, 6203, 6207, 6211, 6213, 6217, 6221, 6223, 6227, 6231, 6233, 6237, 6241, 6243, 6247, 6251, 6253, 6257, 6259, 6263, 6267, 6271, 6273, 6277, 6281, 6283, 6287, 6291, 6293, 6297, 6301, 6303, 6307, 6311, 6313, 6317, 6321, 6323, 6327, 6331, 6333, 6337, 6341, 6343, 6347, 6351, 6353, 6357, 6359, 6363, 6367, 6371, 6373, 6377, 6381, 6383, 6387, 6391, 6393, 6397, 6401, 6403, 6407, 6411, 6413, 6417, 6421, 6423, 6427, 6431, 6433, 6437, 6441, 6443, 6447, 6451, 6453, 6457, 6459, 6463, 6467, 6471, 6473, 6477, 6481, 6483, 6487, 6491, 6493, 6497, 6501, 6503, 6507, 6511, 6513, 6517, 6521, 6523, 6527, 6531, 6533, 6537, 6541, 6543, 6547, 6551, 6553, 6557, 6559, 6563, 6567, 6571, 6573, 6577, 6581, 6583, 6587, 6591, 6593, 6597, 6601, 6603, 6607, 6611, 6613, 6617, 6621, 6623, 6627, 6631, 6633, 6637, 6641, 6643, 6647, 6651, 6653, 6657, 6659, 6663, 6667, 6671, 6673, 6677, 6681, 6683, 6687, 6691, 6693, 6697, 6701, 6703, 6707, 6711, 6713, 6717, 6721, 6723, 6727, 6731, 6733, 6737, 6741, 6743, 6747, 6751, 6753, 6757, 6759, 6763, 6767, 6771, 6773, 6777, 6781, 6783, 6787, 6791, 6793, 6797, 6801, 6803, 6807, 6811, 6813, 6817, 6821, 6823, 6827, 6831, 6833, 6837, 6841, 6843, 6847, 6851, 6853, 6857, 6859, 6863, 6867, 6871, 6873, 6877, 6881, 6883, 6887, 6891, 6893, 6897, 6901, 6903, 6907, 6911, 6913, 6917, 6921, 6923, 6927, 6931, 6933, 6937, 6941, 6943, 6947, 6951, 6953, 6957, 6959, 6963, 6967, 6971, 6973, 6977, 6981, 6983, 6987, 6991, 6993, 6997, 7001, 7003, 7007, 7011, 7013, 7017, 7021, 7023, 7027, 7031, 7033, 7037, 7041, 7043, 7047, 7051, 7053, 7057, 7059, 7063, 7067, 7071, 7073, 7077, 7081, 7083, 7087, 7091, 7093, 7097, 7101, 7103, 7107, 7111, 7113, 7117, 7121, 7123, 7127, 7131, 7133, 7137, 7141, 7143, 7147, 7151, 7153, 7157, 7159, 7163, 7167, 7171, 7173, 7177, 7181, 7183, 7187, 7191, 7193, 7197, 7201, 7203, 7207, 7211, 7213, 7217, 7221, 7223, 7227, 7231,



9. 11. 1911

पुस्तकालय की वस्तु
समाप्त ३३. ३३. ३३.

Indira

परिचय मन्त्रि राजश्री लो -
विद्या-वर्धिका जले ॥

II. 81.6.

Index

विष्णु के मन्त्रसूक्त
पुष्पेन सुविना ॥
H. 75. 17

Index

इसके कि इ. ख. ग. यो :

अने पारमिच. ५५५।

॥ ७३. ३.

Memo

at [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] 18.3.3.



Feb 21 1871

1892-1893

५१-१७ नरना गुदा ।

11. 7. 10.



Navan

ਭਾਗੇ ਦੇਵ ਸਾਧੇ: ਸਾਧਨ
ਵਿਸਾ ਸਾਧਨ ਦੇ ਸਾਧਨ: ||
V. 12

170

Handwritten text, possibly a title or header, including a small circular stamp or seal.

Handwritten text, possibly a date or reference number.

Handwritten text, possibly a signature or name.



11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

5-7-1907

2-10-1907

1-11-1907

1-12-1907



1) $\Delta = \begin{vmatrix} 1 & 2 & 3 \\ 2 & 3 & 4 \\ 3 & 4 & 5 \end{vmatrix} = 0$
2) $\Delta = \begin{vmatrix} 1 & 2 & 3 \\ 2 & 3 & 4 \\ 3 & 4 & 5 \end{vmatrix} = 0$
3) $\Delta = \begin{vmatrix} 1 & 2 & 3 \\ 2 & 3 & 4 \\ 3 & 4 & 5 \end{vmatrix} = 0$
4) $\Delta = \begin{vmatrix} 1 & 2 & 3 \\ 2 & 3 & 4 \\ 3 & 4 & 5 \end{vmatrix} = 0$



Sydney

1. The first of the year

2. The second of the year

3. The third of the year

4. The fourth of the year

5. The fifth of the year



॥ श्री गुरुदेव नमः ॥
॥ श्री गुरुदेव नमः ॥

IV. ११. ५.





२५

महलय नक्षत्र दोहेनु

पक्ष नक्षत्र गृहस्थ नक्षत्र
वि. वि. नक्षत्र म. नक्षत्र
राम पक्षी म. नक्षत्र वि. नक्षत्र

15. 4 3. 15.



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सर्वे भद्राणि कर्तव्यानि

सर्वे भद्राणि कर्तव्यानि

सर्वे भद्राणि कर्तव्यानि

सर्वे भद्राणि कर्तव्यानि

सर्वे भद्राणि कर्तव्यानि

$$y'' + 2y' + 2y = 0$$

$$y = e^{-x} (C_1 \cos x + C_2 \sin x)$$

$$E, \text{ etc.} = 7$$

Handwritten text in Devanagari script, possibly a signature or a short note, written on aged paper.

पुस्तक संख्या १२३४५
पुस्तक नाम १२३४५

पुस्तक मालिक १२३४५

Sydney



By no means

५५ ५५ ५५ ५५ ५५

$\frac{2}{\sqrt{2}} = \sqrt{2}$

46.40.



Py n n g m

हो नो गे स्त रंगे र-न

म नो ह्य र-न म ह्य र यै।

V. 46. 40.



Samarites

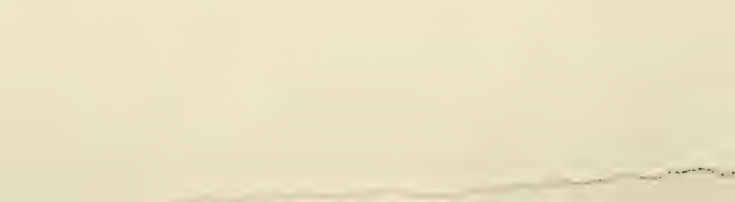
दान येण्डो मडा सा हो

वी को. हिल्लो गुलन दः।

Vi. 7. 8.

घृणा निन्दितो व इवा वन्दो पन्दो भूतपुत्रमैव

अनुपादेयबुद्ध्या तु न स्मरत्यश्रुतं कृतम्

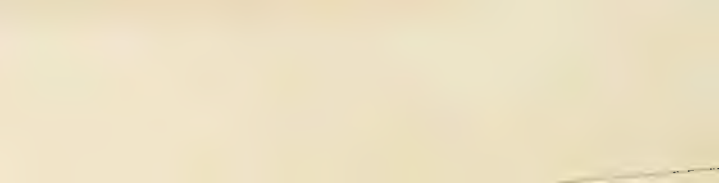




(৪৪৪)







33)

इति

(~~संस्कृत-संस्कृत~~)

उपल

उत्कीर्ण इव

(925)

St. John.

~~Stam: [illegible] [illegible]~~

3421

उत्तरांचे इ.स.

(१२६)





(232)



प्रकृति वर्णन में भाषावीय
रूपमान

1. Introduction

प्रकृति वर्णन में भाषावीय
उपमान

1855

1855

1855

1855

1855

1855

1855





4151-11

(23)

(234)

0.15 to

(2.44)

0.65

(0.65)

(388)

पान (ii)

11-12

and by the fact that

it is not possible to

know that the same

process will be the same

and that it will be

the same as the

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1

145 (II)

(मन की) काक से तुलना

(मान की) मकट से तुलना

(29)

अनुवर्तः

(३३)

(T.E.)

अलाह



रुत्पा नमेघनिर्गच्छिपिच्छवगुह्यः ।

विज्ञानैरपि विज्ञानैर्भूतानां जायते गतिः ॥

बिहल

(II)



HH

HH

30.11.1951



(१२३)



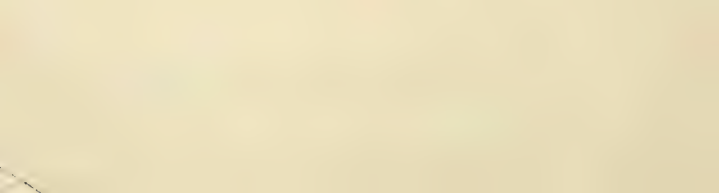


(1618)

(6E8)

(१३४)

(4)







सर्वोष्णमेव धर्माणां कर्मणां शर्मणां नपि ।

पण्डितः पुण्डरीकाणां मार्तण्ड इव पण्डितम् ॥



वे वेन्धवः स च ग्रामः स भूभागः स दिवतटः ।

न जाने क्व गतं सर्वं ब्रूह्य नोतमिवानिलः ॥

वे कन्धवः स च ग्रामः स भूभागः स दिवतटः ।

न जाने क्व गतं सर्वं व्यूह्य नीतमिवानिलैः ॥ VI (ii) 140

(३३)

9
मापारः

(३६)

(100)

12

(II)

2. 4 मीठ (II)

(338)

दर्शन

II

(୧୮୫)

उत्तरि तय विद्य

(१२५)



(पिरीय) खिखर २९ .

(३३)

एक ही श्लोक में एक से
पाँचके उपमानों से उपमा

27 May 1944

Dear Mr. [illegible]

I am sorry to hear that

you are not well.

I hope you will get better soon.

Yours truly,
[illegible]



> 1 मूल गुणिका = 552000

मौली - a pill of ambrosia.

सा मे साता ममृत -

गुणिका . . .

मौली ल - 552000

35. V. 19.





51

1000 1000 1000 1000 1000
2000 1000 1000 1000 1000
1000 1000 1000 1000 1000

नावद

दानं कृतं सततम्

सानन्

प्राप्नोतमप्रकृति

सत्यम्

ईशं सुखं
~~सर्वं निर्विकल्पं~~ सि

मृत्यो

इत्युक्त्वा मधुर

the Pratiharas or
MAHARAJA-- Lit. 'great king'
of paramount sovereignty.
va. But, in the
habitually used
tive no doubt of
only to feudatories
dequal rank with
MAHARAJADHI-- Possibly

explained it as being

But H. H. Wilson's "Q"

(I. E. Padr) by 'con'

uncultivated'. The

termination of the

39,81).

PALAKA--Ugrasena was its

place called Palak

Stimpelman (Ep. In

M.

२१.

२२.

२३.

२४.

iv . 27. 13.

MAHA-DANDA-NAYAKA -- Lit

title, superior
forces'. Prince
of punishments
But in inscript

MAHA-DEV-- A title of
applied also to
44,45).

MAHADHIRAJA-- A feudal

Mandir

१. प्रसादिगु लरनि मुद्रा

२. देश इवा इवा ॥

V. १६. २ १

... at the coronation of
... by the king himself
... (33).
... belonging to, in 'Assamatsantaka',
... term also, the exact meaning
... (26). IN 28, line 7, we have the
... a territorial term, of 'santika'.